



Professor (Dr.) Nishtha Jaswal
(LL.M., Ph.D.)

No.: HPNLU/VCO/609
Dated:24/01/2021

Vice-Chancellor

**हिमाचल प्रदेश राज्य की स्थापना के स्वर्ण जयंती के अवसर पर
प्रोफेसर निष्ठा जसवाल,
उप-कुलपति, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला का सन्देश**

असीम प्रसन्नता और उत्साह की गहन भावना के साथ, मैं हिमाचल प्रदेश राज्य की स्थापना के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर इस सुरम्य और प्रगतिशील राज्य के लोगों को हार्दिक बधाई देती हूँ। २५ जनवरी, १९७१ को हिमाचल प्रदेश भारतीय संघ के १८वें राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। तब से, हिमाचल प्रदेश अपनी सफलता और उपलब्धियों की कई कहानियों के माध्यम से अपने आप को भारतीय मुकुट में एक रत्न के रूप में साबित किया है। पहाड़ियों की खूबसूरती, स्थानीय परंपराओं, वनस्पतियों, जीवों और प्राकृतिक, हृदय-स्पर्शी स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता के साथ, राज्य ने हमेशा देश के साथ-साथ विदेशों में भी मानव कल्पनाओं को प्रज्वलित किया है।

उन्नत कानूनी शिक्षा के एक अग्रणी संस्था की प्रमुख के रूप में, मैं इस अवसर पर अपने विश्वविद्यालय के सदस्यों की ओर से हिमाचल प्रदेश और अन्य जगहों पर बसे लोगों की सेवा के लिए हमारी प्रतिबद्धता का वचन देती हूँ। हमारा विश्वविद्यालय वर्ष २०१६ में अस्तित्व में आया और अपनी स्थापना के लगभग पाँच वर्षों में हमने हर वह प्रयास किया है जिससे कि इस राज्य के लोगों को हम पर गर्व हो सके। इन लोगों की उम्मीदों और आशीर्वाद ने हमें हमेशा सही रास्ता दिखाया है। हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमारे सामने जो रमणीक, बर्फ से सजे रास्ते हैं, उनपर चलते हुए हम लड़खड़ाएंगे नहीं।

इस उत्साहपूर्ण अवसर पर मुझे पूरी उम्मीद है कि इस राज्य के सम्मानित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, न्यायपालिका के सदस्य, शिक्षाविद, पत्रकार और बाकी सभी लोग मिलकर राज्य के लिए एक भविष्य का निर्माण करेंगे जो उतना ही स्वच्छ, उज्ज्वल और आशाओं से भरा हो जितना कि पिछले पचास वर्षों में रहा है।

इस महान दिवस पर मेरी यह प्रार्थना है कि बर्फानी तेंदुआ, जुजुराना, बुरांश और नाटी हम सभी को मंत्रमुग्ध रखें और हम सबको सशक्त बनाएं ताकि हम सब मिलकर इस राज्य और देश का एक नया भविष्य बना सकें।

जयहिंद! जय हिमाचल!!

प्रोफेसर डॉ. निष्ठा जसवाल,
उप कुलपति, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय,
शिमला
सोमवार, २५ जनवरी २०२१